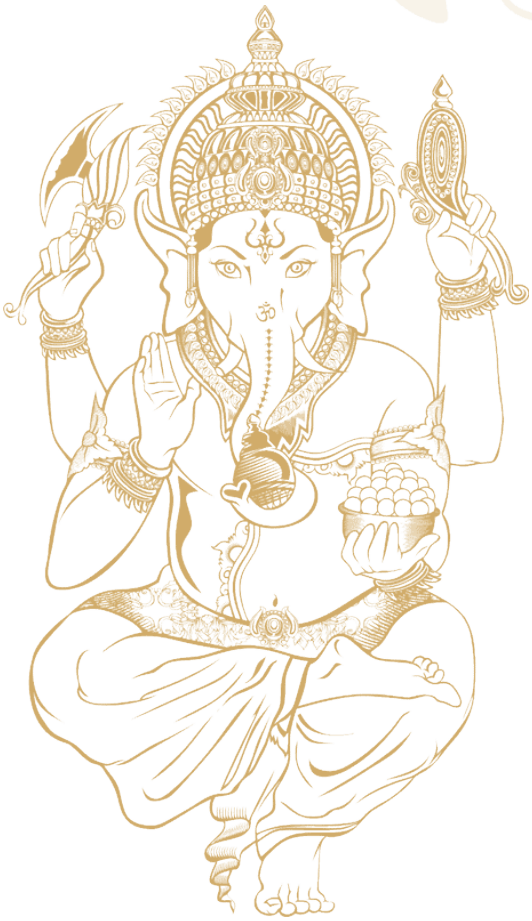

Mr.

05 Nov 2025

02:40 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120009601

तिथि 05/11/2025 **समय** 14:40:00 **वार** बुधवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:08
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	17:18:17 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:16:27 घं	योनि	गज
सूर्योदय	06:36:22 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:32:59 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1947	वर्ग	मृग
मास	कार्तिक	युँजा	पूर्व
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	15	जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
नक्षत्र	भरणी	पाया(रा.-न.)	ताम्र-स्वर्ण
योग	व्यतिपात	होरा	चंद्र
करण	बव	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
शुक्र 15वर्ष 2मा 22दि
शुक्र
05/11/2025
27/01/2041

	00/00/0000
	05/11/2025
चन्द्र	27/01/2027
मंगल	28/03/2028
राहु	29/03/2031
गुरु	27/11/2033
शनि	27/01/2037
बुध	28/11/2039
केतु	27/01/2041

योगिनी
भद्रिका 3वर्ष 9मा 20दि
भद्रिका
05/11/2025
27/08/2029

	05/11/2025
उल्का	07/03/2026
सिद्धा	25/02/2027
संकटा	06/04/2028
मंगला	27/05/2028
पिंगला	05/09/2028
धान्या	05/02/2029
भ्रामरी	27/08/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			20:58:53	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	---	0:00			
सूर्य			18:59:22	तुला	स्वाति	4	राहु	चंद्र	नीच राशि	0.92	आत्मा	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			16:30:55	मेष	भरणी	1	शुक्र	चंद्र	सम राशि	1.27	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल		अ	06:22:58	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	बुध	स्वराशि	1.12	मातृ	भ्रातृ	वध
बुध			11:22:27	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	चंद्र	सम राशि	1.14	भ्रातृ	ज्ञाति	वध
गुरु			00:52:04	कर्क	पुनर्वसु	4	गुरु	मंगल	उच्च राशि	1.33	कलत्र	धन	साधक
शुक्र			03:49:34	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.26	पुत्र	कलत्र	क्षेम
शनि	व		01:23:33	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	सम राशि	0.80	ज्ञाति	आयु	साधक
राहु	व		22:35:29	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	शनि	मित्र राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		22:35:29	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

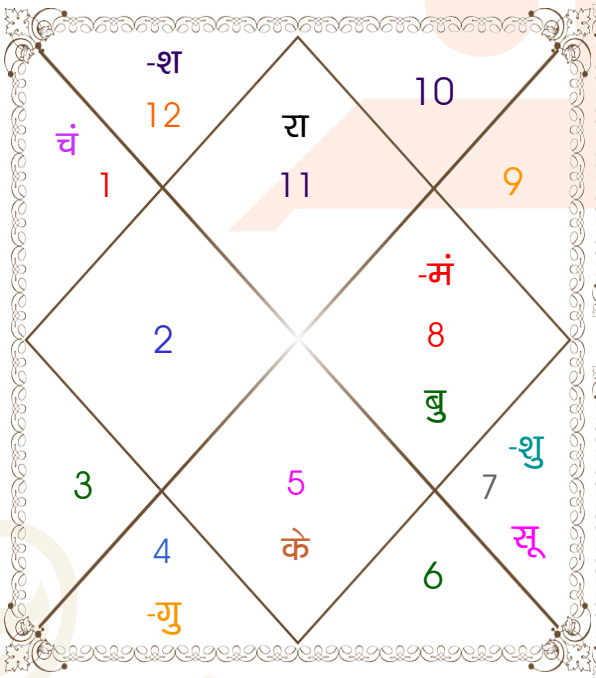

चन्द्र कुंडली

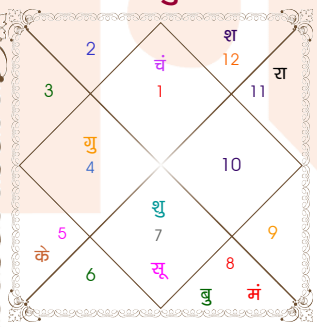

नवमांश कुंडली

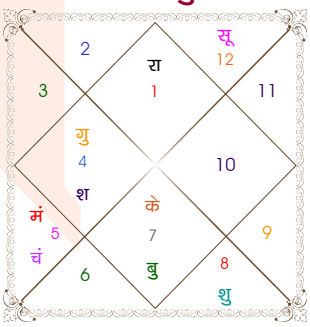

सर्वाष्टकवर्ग

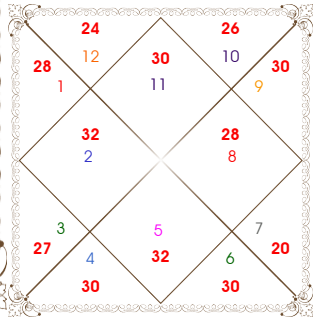

दशमांश कुंडली

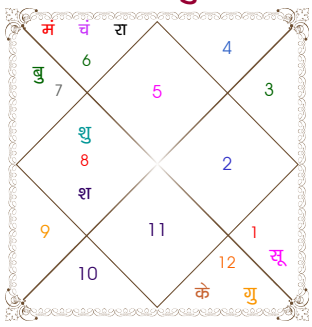

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे एवं इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । मन से भी आप शान्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही नवीन आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा व्यापार में इच्छित सफलता एवं धनार्जन प्राप्त होगा। साथ ही व्यापार में वृद्धि या किसी नवीन कार्य की योजना भी बन सकती है। नौकरी या राजनीति में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे । इस समय अतिरिक्त धनार्जन भी होगा एवं सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करके उनका उपभोग करेंगें। अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय राज्य या सरकार से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा कार्यक्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।इस समय आपके विगत रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे एवं मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी निश्चिन्त एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा अन्य लोग भी आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में उन्नति तथा लाभ के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा किसी नवीन व्यापार की भी आप योजना बनाएंगे इससे भविष्य में आपको वांछित लाभ की प्रप्ति होगी। मित्रों एवं संबधियों से इस समय आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगे । इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी आपको प्राप्त होगा। अतः समय की अनुकूलता को देखते हुए समय का सदुपयोग करें।

प्रथम मास

05/11/2025 14:40:00 से 05/12/2025 08:13:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:58:53
सूर्य		तुला	स्वाति	18:59:22
चन्द्र		मेष	भरणी	16:30:55
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	06:22:58
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	11:22:27
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:52:04
शुक्र		तुला	चित्रा	03:49:34
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:23:33
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:35:29
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:35:29
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:58:53

मासाधिपति

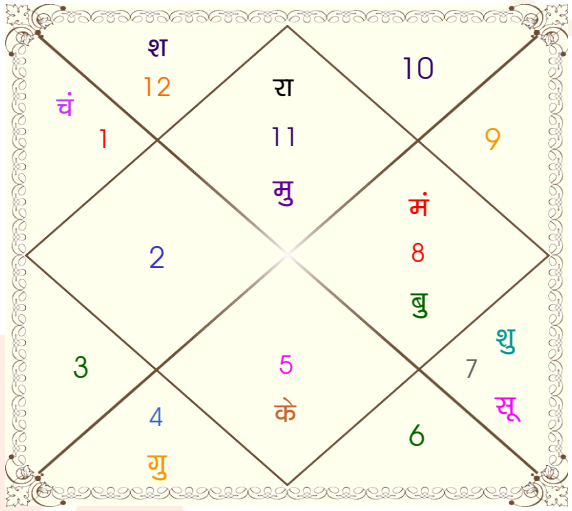

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

05/12/2025 08:13:16 से 03/01/2026 19:44:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	04:24:06
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:59:22
चन्द्र		वृष	रोहिणी	21:04:14
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:07:56
बुध		तुला	विशाखा	28:43:28
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:01:45
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:09:00
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:58:51
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:28:50
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:28:50
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:28:53

मासाधिपति

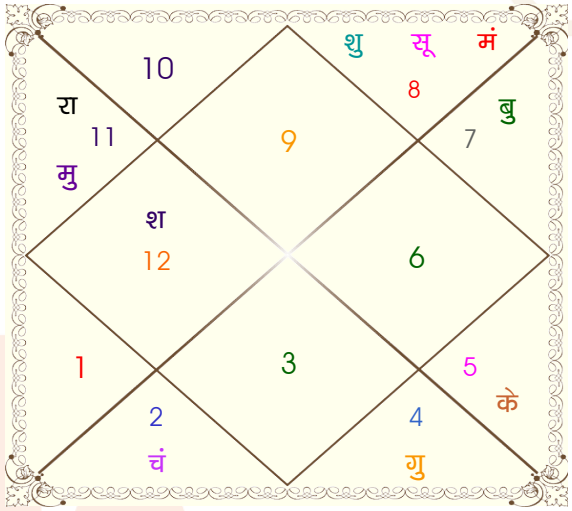

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास

03/01/2026 19:44:53 से 02/02/2026 07:14:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	17:17:26
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:59:22
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:24:51
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:27:22
बुध		धनु	मूल	08:24:22
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:47:39
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:14:53
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:06:06
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:20:20
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:20:20
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:58:53

मासाधिपति

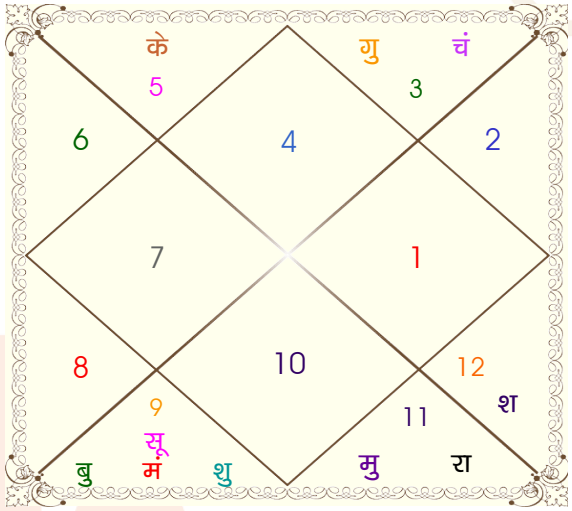

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास
02/02/2026 07:14:14 से 04/03/2026 00:41:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	19:24:23
सूर्य		मकर	श्रवण	18:59:22
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:56:43
मंगल		मकर	श्रवण	13:20:38
बुध		मकर	धनिष्ठा	27:08:51
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:01:07
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	25:17:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:31:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:50:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:50:27
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:28:53

मासाधिपति

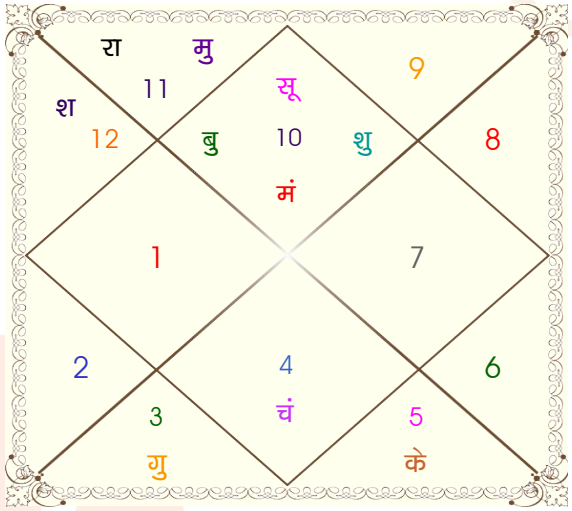

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

पंचम् मास

04/03/2026 00:41:20 से 03/04/2026 04:40:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:57:10
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	18:59:22
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:50:54
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	06:43:31
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:01:29
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:57:04
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:28:42
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:50:05
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:30
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	00:58:53

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

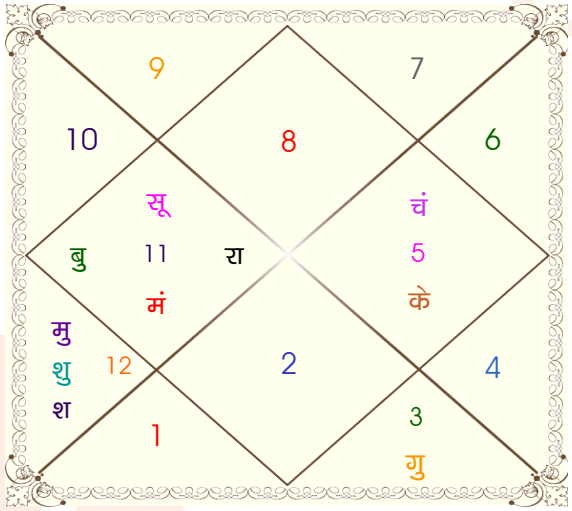

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

03/04/2026 04:40:30 से 03/05/2026 21:07:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	16:12:27
सूर्य		मीन	रेवती	18:59:22
चन्द्र		कन्या	चित्रा	29:04:02
मंगल		मीन	पू०भाद्रपद	00:25:46
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:14:04
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:41:20
शुक्र		मेष	अश्विनी	09:50:06
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:34:00
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:24:14
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:24:14
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	03:28:53

मासाधिपति

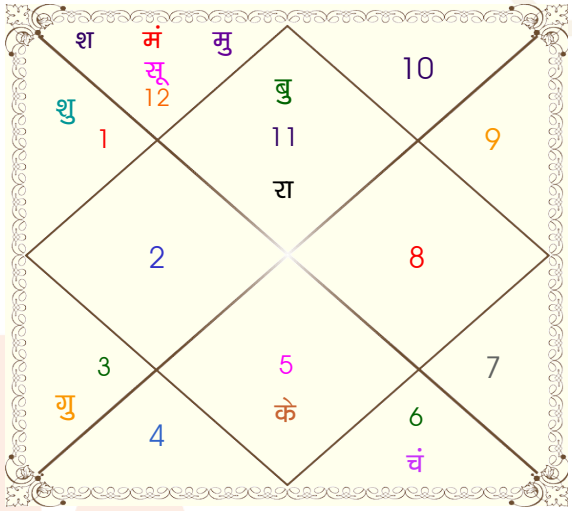

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास

03/05/2026 21:07:12 से 04/06/2026 00:36:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:29:16
सूर्य		मेष	भरणी	18:59:22
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:17:21
मंगल		मीन	रेवती	24:10:33
बुध		मेष	अश्विनी	06:47:45
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:03:52
शुक्र		वृष	रोहिणी	17:16:07
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:12:59
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:15:58
केतु	व	सिंह	मघा	12:15:58
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	05:58:53

मासाधिपति

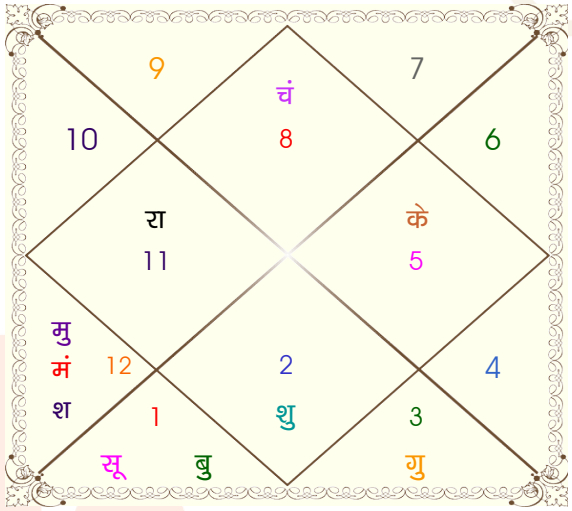

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
04/06/2026 00:36:54 से 05/07/2026 10:36:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	16:15:55
सूर्य		वृष	रोहिणी	18:59:22
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:28:41
मंगल		मेष	भरणी	17:36:03
बुध		मिथुन	आर्द्रा	09:32:47
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:22:19
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:27:55
शनि		मीन	रेवती	18:14:53
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:52:16
केतु	व	सिंह	मघा	08:52:16
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	08:28:53

मासाधिपति

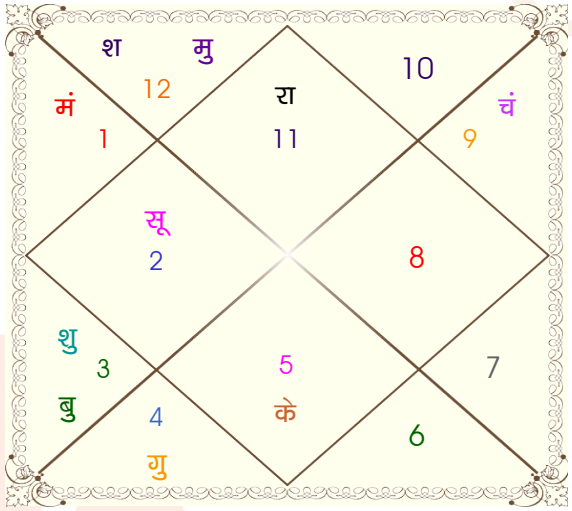

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

नवम् मास
05/07/2026 10:36:39 से 05/08/2026 20:37:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:24:43
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	18:59:22
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	17:34:21
मंगल		वृष	रोहिणी	10:18:56
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	00:54:38
गुरु		कर्क	पुष्य	06:50:20
शुक्र		सिंह	मघा	00:43:17
शनि		मीन	रेवती	20:07:27
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:28:13
केतु		सिंह	मघा	06:28:13
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	10:58:53

मासाधिपति

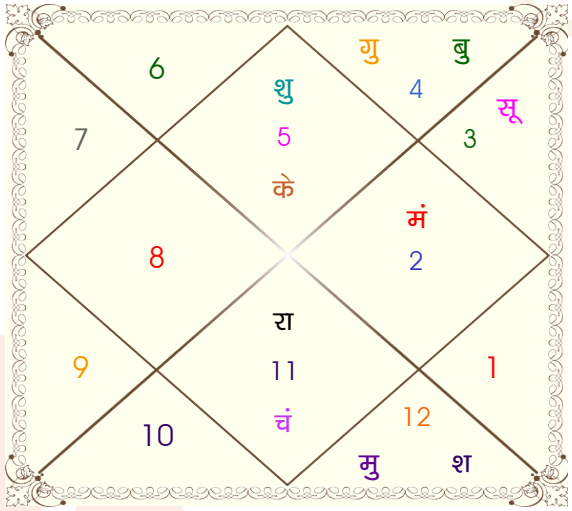

मासाधिपति : सूर्य

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
05/08/2026 20:37:49 से 06/09/2026 00:11:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	19:15:58
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	18:59:22
चन्द्र		मेष	अश्विनी	12:56:50
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	01:57:12
बुध		कर्क	पुनर्वसु	00:02:16
गुरु		कर्क	पुष्य	13:45:17
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:35:03
शनि	व	मीन	रेवती	20:26:13
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:40:30
केतु		सिंह	मघा	05:40:30
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	13:28:53

मासाधिपति

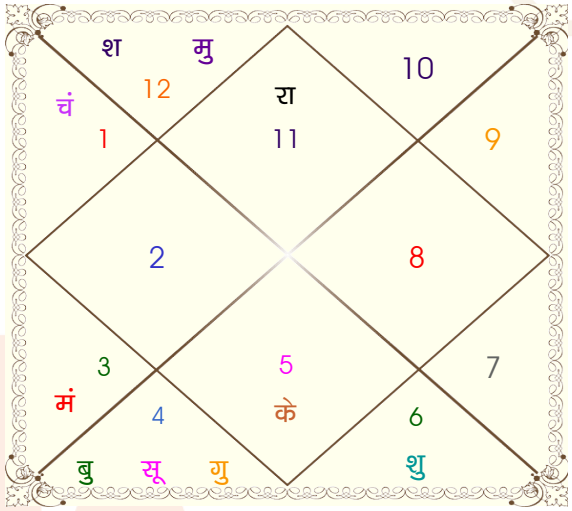

मासाधिपति : मंगल

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास

06/09/2026 00:11:46 से 06/10/2026 16:45:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:17:39
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:59:22
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	08:15:54
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:10:34
बुध		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:14:33
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:27:48
शुक्र		तुला	चित्रा	02:35:57
शनि	व	मीन	रेवती	19:09:57
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:32:08
केतु		सिंह	मघा	05:32:08
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	15:58:53

मासाधिपति

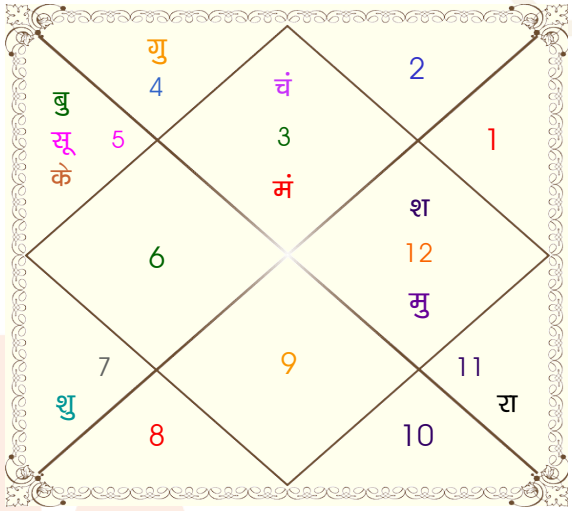

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

द्वादश मास

06/10/2026 16:45:09 से 05/11/2026 20:51:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:10:08
सूर्य		कन्या	हस्त	18:59:22
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	26:49:14
मंगल		कर्क	पुष्य	10:36:44
बुध		तुला	स्वाति	13:21:01
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:18:57
शुक्र	व	तुला	स्वाति	14:03:41
शनि	व	मीन	रेवती	16:54:56
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	04:52:27
केतु		सिंह	मघा	04:52:27
मुंथा		मीन	रेवती	18:28:53

मासाधिपति

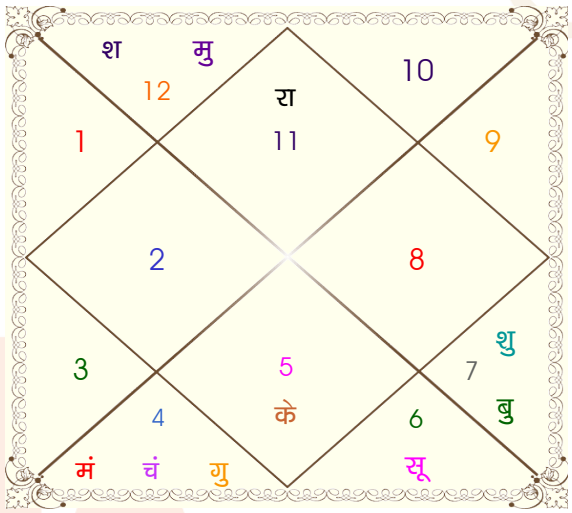

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।